लिखित (Written)

प्र०1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए।

उ० (क) लघु मूषकः किम् अकरोत्?

उ० लघुः मूषकः सिंहस्य शरीरे इतस्ततः अनृत्यत्।

(ख) कः सिहं स्वतंत्रम् अकरोत्?

उ० लघुः मूषकः सिंहं स्वतंत्रम् अकरोत्।

(ग) मूषकः किं श्रुत्वा तत्र आगच्छत्?

उ० मूषकः सिंहस्य गर्जनं श्रुत्वा तत्र आगच्छत्।

(घ) सिंहः कुत्र वसति स्म?

उ० सिंहः एकस्मिन् वने वसति स्म।

(ङ) सिंह कथं जालात् स्वतंत्रम् अकरोत्?

उ० मूषकः जालं कर्तयित्वा सिंह स्वतंत्रम् अकरोत्।

प्र०2. संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए।

उ०

शब्द	संस्कृत में प्रयोग
(क) मयि	(क) भो वनराज! मयि दयां कुरु।
(ख) तव	(ख) अहम् अपि तव सहायतां करिष्यामि।
(ग) उपयोगः	(ग) क्षुद्रस्य जन्तोः अपि उपयोगः भवति।
(घ) पाशेन	(घ) सिंहः पाशेन बद्धः अभवत्।
(ङ) अधः	(ङ) सिंहः वृक्षस्य अधः सुप्तः आसीत्।

प्र०3. यथास्थान सम्बोधन का चिह्न लगाइए।

उ० (क) अमरः– रवि! त्वं कुत्र गच्छसि?

(ख) रविः– अमर! अहं विद्यालयं गच्छामि।

(ग) माता– वत्स रवि! त्वम् अपि विद्यालयं गच्छ।

(घ) रविः– आम् मातः! अहम् अपि विद्यालयं गच्छामि।

(ङ) अमरः– रवि! आगच्छ, आवां विद्यालयं गच्छेव।

प्र०4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

उ० (क) यह कथा प्रसिद्ध है।

अनु० एषा कथा प्रसिद्धा अस्ति।

Scanned with CamScanner

(ख) एक वन में शेर और चूहा रहते थे।

अनु० एकस्मिन् वने सिहः मूषकः च वसतः स्म।

(ग) परस्पर दया का भाव कल्याणकारी होता है।

अनु० परस्परं दयाभावः श्रेयस्करः भवति।

(घ) एक बार शेर जाल में फँस गया।

अनु० एकदा सिंहः जालेन बद्धः अभवत्।

(ङ) चूहे ने जाल काट दिया।

अनु० मूषकः जालम् अकृन्तत्।

Scanned with CamScanner